मेरी बढ़ गयी है कीमत

जब से बसी है दिल में,
मेरे साँवरे की सूरत,
अनमोल हो गया हूँ,
मेरी बढ़ गई है क़ीमत.....

पहचान मेरी गुम थी,
नहीं कोई जानता था,
मेरे गुणों को जग ये,
अवगुण ही मानता था,
अपनों को भी नहीं थी,
कोई मेरी जरूरत,
अनमोल हो गया हूँ,
मेरी बढ़ गई है क़ीमत,
जब से बसी है दिल में,
मेरे साँवरे की सूरत,
अनमोल हो गया हूँ,
मेरी बढ़ गई है कीमत.....

है साँवरे के हाथों,
हर फ़ैसला हमारा,
दिन रात बढ़ रहा है,
अब हौंसला हमारा,
मेरा साँवरा ही मेरी,
सब से बड़ी है दौलत,
अनमोल हो गया हूँ,
मेरी बढ़ गई है क़ीमत,
जब से बसी है दिल में,
मेरे साँवरे की सूरत,
अनमोल हो गया हूँ,
मेरी बढ़ गई है कीमत.....

मैं था गवार पहले,
अब श्रेष्ठ बन गया हूँ,
उस सेठ की दया से,
अब सेठ बन गया हूँ,
मेरा साँवरा सलौना,
शुभ लाभ की है मूरत,
अनमोल हो गया हूँ,
मेरी बढ़ गई है क़ीमत,
जब से बसी है दिल में,
मेरे साँवरे की सूरत,
अनमोल हो गया हूँ,

मेरी बढ़ गई है कीमत.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25116/title/meri-badh-gayi-hai-keemat

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |